सरोवर

हिंदी पाठ्यपुस्तक
Hindi Reader

5

लेखिका:
बबीता चौधरी

Nightingale Publications

#10/1, 2nd Main, 4th Cross, Thyagarajnagar, Next to K.E.B. Quarters,
Bengaluru - 560 028, email : subhasagencies@gmail.com.
Phone : 9343226522 / 080 26766522

With the blessings of :

Our Parents

सरोवर

हिंदी पाठ्यपुस्तक

Hindi Reader

5

Copyright @ Publishers

All rights reserved. No part of the publications may be reproduced, transmitted or distributed in any form or by any means without prior permission in written. Any person who does any unauthorised act in relation, Publications may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

Limits of liability and Disclaimer of Warranty:
The Authors, Editors, Designers and the Publishers of this book have tried their best to ensure that all the texts are correct in all aspect. However, the authors and the publishers does not take any responsibility of any errors, if happened. The correction of errors, if found will duly be done in the next edition.

MADE IN INDIA

Support Recycle

Save a Tree
Save the Earth

One Ton of this Paper Saves 17 trees

Max Retail Price: On Back Cover

Edited & Designed by:
Editone International Pvt. Ltd.

Based on:

- National Education Policy 2020
- NCF 2022
- Activity Based Format
- Innovative Approach
- Learning with fun
- Eco-Friendly Paper

आमुख

विचारों को अभिव्यक्त करने का सबसे सरल एवं स्पष्ट माध्यम भाषा ही है। भाषा में सम्मिलित कौशलों की सहायता से विचारों का आदान-प्रदान संभव हो पाता है। विद्यार्थियों के प्रभावपूर्ण व्यक्तित्व के विकास में शैक्षिक प्रणाली का अहम् योगदान होता है। इस प्रणाली में रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवीय मूल्यों तथा जीवन कौशल का समावेश होना आवश्यक है।

प्रस्तुत पुस्तक शृंखला (कक्षा 1-8) में भाषा के चारों कौशल– श्रवण, वाचन, पठन, लेखन के साथ-साथ गतिविधि आधारित शिक्षण पर विशेष बल दिया गया है। इस पुस्तक शृंखला में चिंतन-मनन (Thinking), विश्लेषण (Analysis), कल्पनाशीलता (Imagination), रचनात्मकता (Creativity), मूल्यांकन (Evaluation) को भी समाहित किया गया है। इसमें निर्धारित मानक वर्तनी का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शृंखला विद्यार्थियों की भाषा में बारीक समझ को विकसित करने में सक्षम है। साथ ही इसमें पाठ नियोजन करते समय विद्यार्थियों की रुचियों, जिज्ञासाओं एवं खोजबीन प्रवृति का पूरा ध्यान रखा गया है। इस पुस्तक शृंखला की पाठ्य-सामग्री बच्चों के स्तरानुकूल, सरल, सहज एवं रोचक रूप में प्रस्तुत की गई है।

प्रस्तुत शृंखला में नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूपरेखा (NCF) 2022 को ध्यान में रखकर सभी मूल्यों को तार्किक रूप से अपनाया गया है। रचनात्मक लेखन के अंतर्गत कविता, कहानी, चित्र-कथा, संवाद, यात्रा-वर्णन एवं पत्र-लेखन आदि को शामिल किया गया है ताकि भाषा प्रयोग पर विद्यार्थियों की पकड़ मज़बूत बन सके, साथ ही विद्यार्थी व्याकरण का कुशलतापूर्वक प्रयोग कर पाएँ।

इस शृंखला में विद्यार्थियों को ऐसा मंच देने का प्रयास किया गया है, जहाँ वे आत्मविश्वास के साथ सोच-समझकर प्रश्नों का उत्तर दे सकें, साथ ही संवाद या चर्चा के द्वारा अपने सहपाठियों का दृष्टिकोण भी समझ पाएँ।

हमें यह विश्वास है कि प्रस्तुत पुस्तक शृंखला छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी। इस पुस्तक शृंखला को और भी अधिक उपयोगी बनाने के लिए सभी शिक्षार्थी, पाठकगण एवं शिक्षकगण के महत्वपूर्ण सुझाव अपेक्षीय हैं।

–प्रकाशक

विषय सूची

क्र.सं.	अध्याय	पृ. सं.
⊙	एक सबक ऐसा भी (चित्रकथा)	5
1.	भारतवर्ष हमारा है! (कविता)	7
2.	अर्जुन और किरात (प्राचीन कथा)	13
3.	समझदार लोमड़ी (कहानी)	19
4.	प्रिटोरिया जेल से (पत्र)	25
5.	चाँद का कुरता (कविता)	31
6.	ईमानदारी का परिचय (एकांकी)	37
7.	भारत में हॉकी (निबंध)	43
8.	मुक्ति की आकांक्षा (कविता)	49
9.	लाला लाजपत राय (जीवनी)	55
10.	पंच का न्याय (कहानी)	61
11.	मेरी पहली हिमाचल यात्रा (यात्रा-वृतांत)	67
12.	'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती' (कविता)	72
13.	बुद्धि का सौदागर (कहानी)	77
14.	पश्चाताप (लेख)	83
*	स्वमूल्यांकन पत्र-1	89
*	स्वमूल्यांकन पत्र-2	91

एक सबक ऐसा भी
(चित्रकथा)

पिंकी नदी किनारे रेत पर घर बना रही थी।

बहुत मेहनत से पूरा घर बनने के बाद उसे देखकर पिंकी बहुत खुश होती है।

तभी पिंकी का भाई पिंटू दौड़कर आता है, और उसके घर को अपने पैरों से बिखेर देता है।

पिंकी को पिंटू पर बहुत गुस्सा आता है और अपना घर टूटा हुआ देखकर वह रोने लगती है।

कुछ दिन बाद पिंटू मेज़ पर ताश के पत्तों से घर बना रहा होता है।

पिंकी उसे ताश का घर बनाते देखती है।

और वह पिंटू को सबक सिखाना चाहती है।

वह दौड़कर मेज की ओर जाती है।

और पिंटू के ताश के घर को तोड़ने का नाटक करती है।

पिंटू डर जाता है, और कहता है, "इसे मत तोड़ो, इसे मैंने बहुत मेहनत से बनाया है।"

पिंकी कहती है, "मैंने भी अपना घर मेहनत से बनाया था, उसे तोड़ते समय तुमने ये क्यों नहीं सोचा।"

पिंकी की बात से पिंटू को अपनी गलती का अहसास हुआ। वह पिंकी से माफी माँगते हुए कहता है कि अब वह किसी भी चीज को कभी कोई नुकसान नहीं पहुँचाएगा।

शिक्षा: हमें किसी के उत्साह को कम नहीं करना चाहिए बल्कि लोगों को प्रोत्साहित करना अच्छी बात होती है।

अध्याय 1

भारतवर्ष हमारा है!

(कविता)

अध्ययन से पूर्व (Before Study)

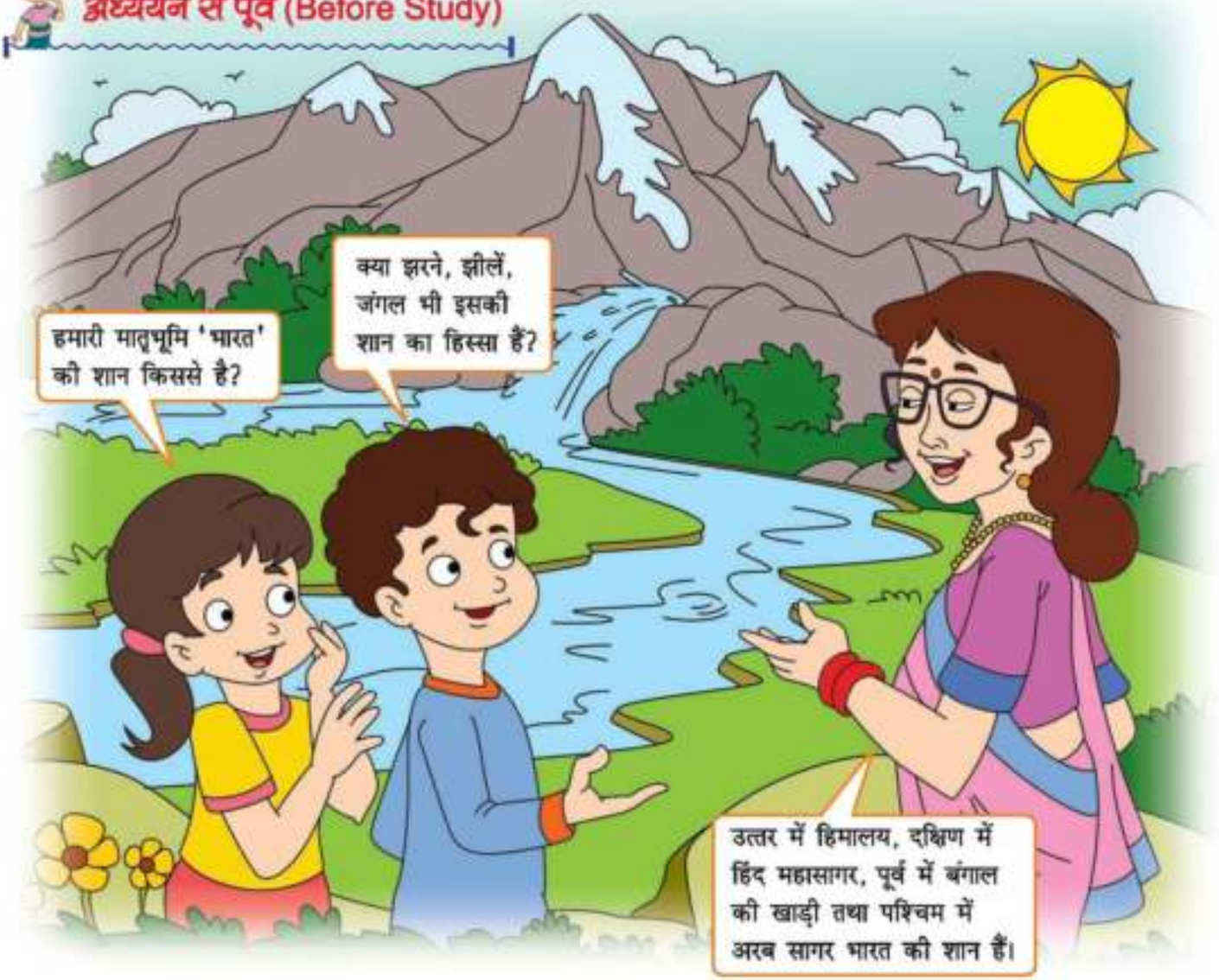

कविता परिचय (Poem Preview)

अपनी मातृभूमि की रक्षा करने के लिए हमें नि:संकोच होकर सदैव तत्पर रहना चाहिए।

कठिन शब्द (Difficult Words)

प्राण	संतरी	निर्मल	शोभा	सौभाग्य	मनोहर	सुगंध

यह भारतवर्ष हमारा है,
हमको प्राणों से प्यारा है।
है यहाँ हिमालय खड़ा हुआ,
संतरी-सरीखा अड़ा हुआ।

गंगा की निर्मल धारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।

क्या ही पहाड़ियाँ हैं न्यारी,
जिसमें सुंदर झरने झारी।
शोभा में सबसे न्यारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।।

है हवा मनोहर डोल रही,
वन में कोयल है बोल रही।
बहती सुगंध की धारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।।

तन-मन-धन प्राण चढ़ाएँगे,
हम इसका मान बढ़ाएँगे।
जग का सौभाग्य हमारा है,
यह भारतवर्ष हमारा है।।

-सोहनलाल द्विवेदी

कविता का सारांश (Summary of the Poem)

The poem expresses the beauty and pride of India, describing its majestic Himalayas, pure Ganges, and the scenic beauty of its hills and rivers. It emphasizes the love and devotion Indians have for their motherland and encourages everyone to cherish and protect it.

शब्दार्थ (Word Meaning)

संतरी	=	रखवाला/पहरेदार (Guard, Watchman)
सरीखा	=	जैसे (Scarcity of water)
निर्मल	=	साफ-सुथरी (Scarcity of water)
शोभा	=	सुंदरता (Scarcity of water)
तन	=	शरीर (Scarcity of water)
सौभाग्य	=	किस्मत (Scarcity of water)

उच्चारण करें (Pronounce)

पहाड़ियाँ प्राणों सुगंध मनोहर सितारा

शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

कविता के माध्यम से शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को अपनी मातृभूमि से प्रेम करने की प्रेरणा दें, साथ ही भारत देश में मौजूद प्राकृतिक तत्वों के संबंध में जानकारी प्रदान करें।
Through the poem, teachers should inspire children to love their motherland and provide information about the natural elements present in India.

अभ्यास Exercise

जरा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

(क) भारतवर्ष किसका है?

(ख) भारत की शोभा कैसी है?

(ग) भारत का पहरेदार कौन है?

(घ) भारत में मनोहर क्या है?

जरा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Answer the given questions in writing.)

(क) भारत का मान बढ़ाने के लिए हम क्या करेंगे?

.....

(ख) संतरी के समान भारत के उत्तर दिशा में कौन खड़ा है?

.....

(ग) कवि के कथनानुसार भारत अनोखी सुंदरता वाला देश क्यों है?

.....

(घ) प्रस्तुत कविता के लेखक कौन हैं?

.....

3. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए। (Tick the correct option (✓).

(क) शोभा में सबसे न्यारा किसे माना गया है?

☐ अमेरिका को ☐ भारतवर्ष को ☐ हमको ☐ इन सभी को

(ख) कविता के रचयिता कौन हैं?

☐ रामधारी सिंह दिनकर ☐ सोहनलाल द्विवेदी

☐ हरिवंशराय बच्चन ☐ सुभद्राकुमारी चौहान

(ग) भारतवर्ष का हम क्या बढ़ाएँगे?

☐ मान ☐ ज्ञान ☐ ध्यान ☐ ईमान

(घ) भारतवर्ष में बहती धारा कैसी है?

☐ निर्मल और सुगंधित ☐ दुर्गंध और कठोर

☐ मटमैली और धीमी ☐ सुगंधित और पंकयुक्त

4. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।
(Fill in the blanks with the given words.)

बढ़ाएँगे	निर्मल	प्राण	शोभा

(क) तन-मन-धन ..... चढ़ाएँगे।

(ख) ..... में सबसे न्यारा है।

(ग) गंगा की ..... धारा है।

(घ) हम इसका मान .....।

जरा सोचिए (Critical Thinking)

5. यदि भारतवर्ष की सुरक्षा हेतु 'हिमालय' पहरेदार की तरह न अड़ा-खड़ा रहता तो हमें किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता? कक्षा में चर्चा करते हुए इस विषय पर पाँच वाक्य लिखिए।
(If the Himalayas did not stand as a guardian for the security of India, what kinds of challenges would we face? Write five sentences on this topic while discussing it in the classroom.)

जरा भाषा पर गौर कीजिए (Language Skills)

6. दिए गए शब्दों को पहचानते हुए रिक्त वर्ण भरिए।
(Fill in the blanks with the correct letters by recognizing the given words.)

(क) सुं + ... र + ता (ख) सु + गं + ...

(ग) सं + त + ... (घ) म + ... + ह + ...

7. समान तुक वाले शब्द कविता से ढूँढ़कर लिखिए। ।
(Find and write words from the poem that rhyme.)

(क) शिवालय - ..... (ख) चढ़ाएँगे - .....

(ग) प्यारा - ..... (घ) आरी - .....

8. दिए गए शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए।
(Write three synonyms for each of the given words.)

(क) धन – ....

(ख) शोभा – ....

(ग) झरना – ....

9. दी गई पंक्तियों में क्रिया शब्द पर (○) बनाइए।
(Make a circle (○) around the verb words in the given lines.)

हवा मनोहर डोल रही,

वन में कोयल बोल रही।

बहती सुगंध की धारा है,

यह भारतवर्ष हमारा है।

जरा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)

10. भारत में अनेक प्रकार की विभिन्नताएँ हैं। कक्षा में चर्चा करते हुए यह जानने का प्रयास कीजिए कि विभिन्नता में एकता भारत में कैसे कायम है?
(India has many types of diversities. Discuss in the classroom and try to understand how unity in diversity is maintained in India.)

11. भारत की विशेषताओं पर चर्चा कीजिए और लिखिए।
(Discuss and write about the features of India.)

जरा दिमाग लगाइए (Brain Storming Activity)

12. भारत का क्षेत्रफल बताइए।
(State the area of India.)

(क) उत्तर से दक्षिण तक- .....

(ख) पश्चिम से पूर्व तक- .....

13. पर्वतों की रानी किस चोटी का नाम है?
(What is the name of the peak known as the Queen of Mountains?)

.....

अध्याय 2

अर्जुन और किरात
(प्राचीन कथा)

अध्ययन से पूर्व (Before Study)

प्राचीन कथा परिचय (Ancient Story Preview)

किसी को कभी भी तुच्छ या कमज़ोर नहीं समझना चाहिए क्योंकि शक्तिशाली वही होता है जो दूसरों पर निज स्वार्थ हेतु किसी भी प्रकार का बल प्रयोग नहीं करता।

कठिन शब्द (Difficult Words)

तपस्वी किरात मृगचर्म पांडव सर्वश्रेष्ठ आश्चर्य धनुर्धर

अपने वनवास काल के दौरान सभी पांडव अपनी ताकत को बढ़ाने में लगे हुए थे तो दूसरी तरफ़ अर्जुन भी पशुपति नामक अधिक शक्तिशाली दिव्यास्त्र लिए भगवान शिव की तपस्या में लीन रहने लगे। एक दिन वे हर रोज़ की तरह तपस्या में लीन थे कि तभी उसी क्षण एक भयानक शूकर गरजता हुआ वहाँ आ पहुँचा। उसे देख अर्जुन का ध्यान भंग हो गया और उन्होंने शूकर पर अपना बाण चला दिया। अर्जुन के दो तीर उसके शरीर के आर-पार हो गए। अर्जुन जैसे ही तीर निकालने के लिए बढ़े कि इतने में एक ज़ोरदार आवाज़ ने उन्हें रोक दिया। "सावधान तपस्वी, यह मेरा शिकार है।" अर्जुन ने देखा कि एक जंगली किरात धनुष-बाण लिए दौड़ा चला आ रहा है। ऊँचा, लंबा शरीर, चौड़े कंधे, माथे पर जंगली फूलों की बेल और शरीर पर मृगचर्म था। अर्जुन ने कहा, "ये मेरा शिकार है, मैंने इसे मारा है इसलिए मैं इसे नहीं छोड़ सकता।"

अर्जुन की बात सुनकर किरात क्रोध में आ गया। उसने अपना धनुष बनाया और कहा, "यदि तुम हठ नहीं छोड़ोगे तो तुम्हें मुझसे युद्ध करना पड़ेगा।"

अर्जुन ने कहा, "तो फिर विलंब किस बात का, यह शिकार किसका है? इसका निर्णय अब युद्ध ही करेगा।" देखते-देखते दोनों के मध्य भीषण युद्ध आरंभ हो गया। बाण पर बाण बरसते रहे लेकिन कोई भी बाण किसी को छू भी नहीं पाया। किरात की फुर्ती देखकर अर्जुन के आश्चर्य का ठिकाना न रहा। अर्जुन मन-ही-मन सोचने लगे कि यह साधारण धनुर्धर नहीं है जिससे लड़ने के लिए मुझे अपनी संपूर्ण विद्या का यूँ प्रयोग करना पड़ रहा है। घंटों युद्ध चलता रहा। अर्जुन का शरीर थकान से टूटने लगा। उन्होंने किरात से कहा, "बाण युद्ध छोड़ो, अब मल्ल युद्ध को आओ।" अर्जुन की बात किरात ने स्वीकार कर मल्ल युद्ध आरंभ किया। दोनों एक-दूसरे को मल्ल युद्ध में पटकनी देते रहे, मगर हार किसी ने भी स्वीकार नहीं की। वह सोचने लगे साधारण मनुष्य और इतना शक्तिशाली। तभी अर्जुन की नज़र अपने हाथों से बनाए शिवलिंग पर पड़ी तो वे बोले, "हे किरात! तुमसे युद्ध करने में बड़ा आनंद आया, लेकिन ज़रा ठहरो, मैं पहले भगवान शंकर की पूजा कर लूँ, फिर तुमसे युद्ध करता हूँ।"

अर्जुन की बात सुनकर भगवान शंकर मन-ही-मन, सोचने लगे अरे! यह क्या? ये तो मेरी ही पूजा में व्यस्त हो गया।

अर्जुन शिवलिंग पर जो भी पत्र-पुष्प चढ़ाते, वे जाकर स्वयंमेव किरात के ऊपर गिरने लगते। अर्जुन को कुछ भी समझते देर न लगी। वह हाथ जोड़कर किरात के आगे खड़े हो गए, "आप साधारण किरात नहीं हो सकते। आप अवश्य कोई देव हैं। कृपया अपना सही परिचय दें।" अर्जुन

की विनय सुन भगवान शंकर साक्षात् प्रकट हो गए और बोले, "अर्जुन! तुम मेरी परीक्षा में सफल हुए। तुम वास्तव में बहुत वीर पुरुष हो। इतनी कठिनाई के बावजूद तुमने मुझे एक साधारण आदमी समझकर मुझ पर अपने दिव्यास्त्रों का प्रयोग नहीं किया।" मैं तुम्हें पशुपति नामक अमोघ दिव्यास्त्र प्रदान करता हूँ। इतना कहकर भगवान शंकर अंतर्धान/अंतर्ध्यान हो गए।

प्राचीन कथा का सारांश (Summary of the Ancient Story)

It narrates an episode from the Mahabharata where Arjuna encounters a Kirat (a form of Lord Shiva) during his exile. Arjuna, in his quest to enhance his skills, engages in a battle of archery with the Kirat. Arjuna learns humility and the importance of not underestimating anyone.

शब्दार्थ (Word Meaning)

भीषण	= भयानक (Terrible)
सर्वश्रेष्ठ	= सबसे अच्छा (Best)
दिव्यास्त्र	= देवताओं द्वारा प्रदत्त हथियार (Divine weapons bestowed by gods)
शूकर	= सूअर (Scarcity of water)
धनुर्धर	= धनुष-बाण चलाने वाला (Scarcity of water)
किरात	= शिकारी (Hunter)
मृगचर्म	= हिरण का चमड़ा (Deer skin)
अमोघ	= खतरनाक (Unfailing)
साक्षात्	= बिल्कुल सामने प्रत्यक्ष (Manifest)

उच्चारण करें (Pronounce)

कृपया वास्तव साक्षात् साधारण दिव्याशस्त्रों भीषण परीक्षा

शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को पाठ के माध्यम से यह बताएँ कि अनुशासन, परिश्रम, साहस, दृढ़ता एवं लगन से ही शक्ति को प्राप्त किया जा सकता है।

Teachers should explain to children through the lesson that discipline, hard work, courage, determination, and persistence are essential to achieve strength.

अभ्यास Exercise

ज़रा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

(क) किरात का युद्ध किससे हुआ?

(ख) अर्जुन और किरात के बीच युद्ध किस जानवर के शिकार के कारण हुआ?

(ग) अर्जुन ने बाण युद्ध के बाद अन्य कौन-सा युद्ध किया?

(घ) अर्जुन आराधना कर क्या पाना चाहते थे?

ज़रा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Answer the given questions in writing.)

(क) अर्जुन ने किरात से युद्ध क्यों किया?

.....

(ख) भगवान शंकर किरात का रूप धारण कर अर्जुन की परीक्षा लेने क्यों पहुँचे?

.....

(ग) किरात और अर्जुन के बीच किस बात पर विवाद उत्पन्न हुआ?

.....

(घ) अर्जुन मन-ही-मन क्या सोच रहे थे?

.....

3. किससे कहा और क्यों कहा? लिखिए। (Who said it and why? Write it down.)

(क) सावधान! तपस्वी यह मेरा शिकार है।

.....

(ख) यह शिकार किसका है, इसका निर्णय अब युद्ध ही करेगा।

.....

(ग) मैं तुम्हें पशुपति नामक अमोघ अस्त्र प्रदान करता हूँ।

.....

4. दिए गए सही कथन पर (✓) अथवा गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाइए।
(Mark the given statements as true (✓) or false (✗).)

(क) अर्जुन का ध्यान ब्रहमास्त्र के कारण भंग हुआ। ☐

(ख) अर्जुन ने मल्ल युद्ध करना चाहा। ☐

(ग) जंगली किरात के रूप में भगवान शिव प्रकट हुए। ☐

(घ) अर्जुन ने किरात को युद्ध में हरा डाला। ☐

जरा सोचिए (Critical Thinking)

5. क्या अर्जुन सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर थे? यदि हाँ, तो कैसे? लिखिए।
(Was Arjun the greatest archer? If yes, how? Write about it.)

जरा भाषा पर गौर कीजिए (Language Skills)

6. वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए। (Write one word for the given phrases.)

(क) तप करने वाला – .....

(ख) शिकार करने वाला – .....

(ग) भगवान में आस्था रखने वाला – .....

(घ) वन में जीवन बिताने वाला – .....

(ङ) श्रेष्ठों में भी श्रेष्ठ – .....

7. दिए गए शब्दों का समानार्थी शब्द लिखिए। (Write the synonyms for the given words.)

(क) शरीर – ....

(ख) अस्त्र – ....

(ग) जंगल – ....

(घ) शंकर – ....

8. दिए गए शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए। (Do the Disarticulation of the given words.)

(क) शक्तिशाली – ..... + ...

(ख) मृगचर्म – ..... + ...

(ग) दिव्यास्त्रों – ..... + ...

(घ) स्वयंमेव – ..... + ...

9. दिए गए वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए।
(Identify and write the adjectives from the given sentences.)

(क) यह तो बहुत शक्तिशाली है – .....

(ख) तुम सच में वीर हो। – .....

(ग) लंबा, चौड़ा शरीर और माथे पर जंगली फूलों की बेल – .....

जरा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)

10. महाभारत में अर्जुन के अलावा दूसरा कौन-सा धनुर्धर आपको प्रिय लगा और क्यों? लिखिए।
(Apart from Arjun, which other archer from the Mahabharata do you like and why? Write about it.)

11. प्रस्तुत पाठ के युद्ध-वृतांत में यदि अर्जुन और एकलव्य होते तो दोनों में से कौन युद्ध जीतता? कक्षा में विचार करते हुए दोनों के मध्य युद्ध संवाद को लिखिए।
(In the battle narrative presented in the text, if Arjun and Eklavya were to fight, who would win? Discuss in the classroom and write a battle dialogue between the two.)

अर्जुन – .....

एकलव्य – .....

अर्जुन – .....

एकलव्य – .....

अर्जुन – .....

एकलव्य – .....

जरा दिमाग लगाइए (Brain Storming Activity)

12. अर्जुन किन-किन अस्त्र-शस्त्र को चलाना जानते थे? किन्हीं पाँच के नाम लिखिए।
(Which weapons did Arjun know how to use? Write the names of any five.)

....

अध्याय 3

समझदार लोमड़ी
(कहानी)

अध्ययन से पूर्व (Before Study)

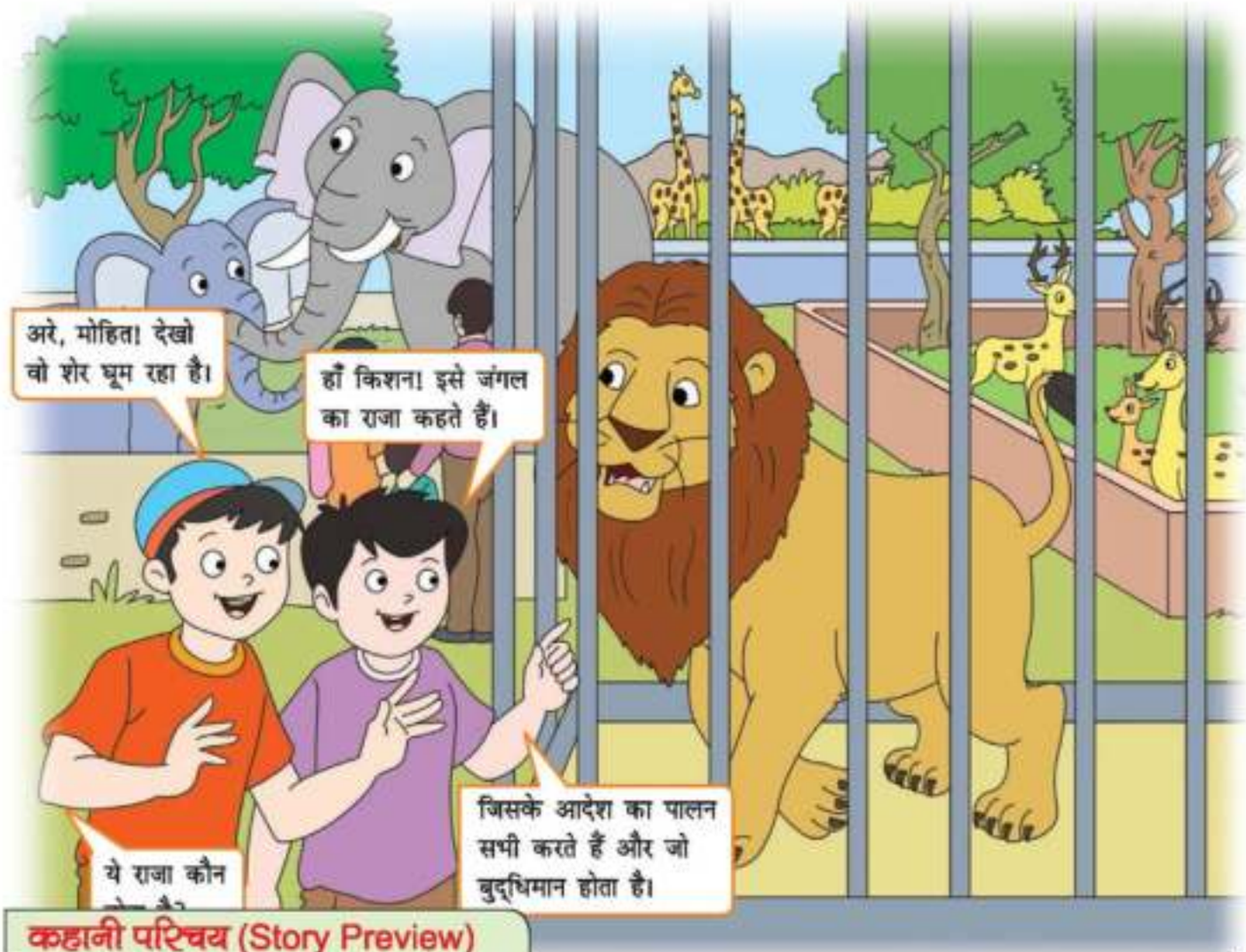

कहानी परिचय (Story Preview)

प्रस्तुत कहानी में चतुराई का परिचय दिया गया है अर्थात जब कोई हिंसक व्यक्ति/जानवर यदि शक्तिविहीन हो जाता है, तो वह चातुर्यपूर्वक काम लेता है।

कठिन शब्द (Difficult Words)

परिस्थिति	असंतोष	जाल	विश्वासघात	सहयोग	प्रसन्नता

एक बार की बात है। किसी जंगल में एक शेर रहता था जो समय के साथ-साथ बूढ़ा हो गया था। जिसकी वजह से वह शिकार भी नहीं कर पाता था। एक दिन वह बैठे-बैठे अपने बुढ़ापे की इस परिस्थिति के बारे में सोच रहा था। उसके पिछले दोनों पैर भी अब काम करना बंद कर चुके थे। वह चलने-फिरने की समस्या से भी ग्रसित होने लगा। कई जंगली जानवर उसके आस-पास घूमने लगे। लेकिन वह उन्हें पकड़ नहीं पाता था। उसकी शक्ति धीरे-धीरे क्षीण हो रही थी। अब तो मक्खियाँ भी उसके मुँह पर बैठी रहती थीं। आज उसे तीन दिन हो गए। उसने कुछ नहीं खाया। वह खिसक-खिसक कर गुफ़ा से बाहर आया। उसने एक खरगोश देखा। वह उसकी गुफ़ा के पास बैठा घास खा रहा था। शेर ने खरगोश से कहा, "भैया खरगोश, यहाँ तो आना।" खरगोश डर गया। वह भागने के लिए मुड़ा।

शेर तुरंत बोला, "डरो मत खरगोश भैया, तुम तो मेरे छोटे भाई हो। मैं तुम्हें भला क्यों मारूँगा। यहाँ मेरे पास आओ।" खरगोश ने कहा, "जो कहना है, वहीं से कहो। मैं यहाँ से उत्तर दूँगा। तुम्हारे पास नहीं आऊँगा। मैं माँस खाने वालों पर विश्वास नहीं करता।"

शेर की थकी-हारी आवाज़ दयालुता का परिचय दे रही थी। वह विनती कर रहा था। उसकी आँखों में लालच तो था ही नहीं! शेर बोला, "खरगोश भैया, मैं ऐसा नहीं हूँ जो अपने भाई को खाऊँ। पाँचों उँगलियाँ बराबर नहीं होती। मुझे तो आपसे सिर्फ़ एक काम करवाना है।" शेर की बातों को सुनकर खरगोश बोला, "ठीक है। वहीं से काम बोलो मेरे पास मत आना।"

शेर वहीं दूर से बोला, "खरगोश भैया! मेरे जाने का समय नज़दीक आ गया है, बस दम निकलने में कुछ ही समय बचा है। तुम उस पहाड़ी के पीछे चले जाओ। वहाँ एक लोमड़ी अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ रहती है। बरसात का मौसम भी नज़दीक आ रहा है। मैं चाहता हूँ मेरे मरने के बाद वह इस गुफ़ा में अपने बच्चों को ले आए। मेरी अंतिम इच्छा है, वह इस गुफ़ा में रहे, यह कहते-कहते शेर लुढ़क गया। खरगोश ने देखा कि शेर सचमुच मर गया। उसके मुँह से निकला "बेचारा, कितना भला था। मरते समय भी नेक काम करना चाहता है।"

खरगोश ने निश्चय किया कि वह शेर की अंतिम इच्छा पूरी करेगा। वह शेर के पास गया। उसने घास के तिनके इकट्ठे किए। उसके शरीर को घास के तिनकों से ढक कर वह उस पहाड़ी की ओर चल पड़ा। खरगोश लोमड़ी के पास पहुँचा। लोमड़ी ने खरगोश को खाने के लिए पकड़ लिया।

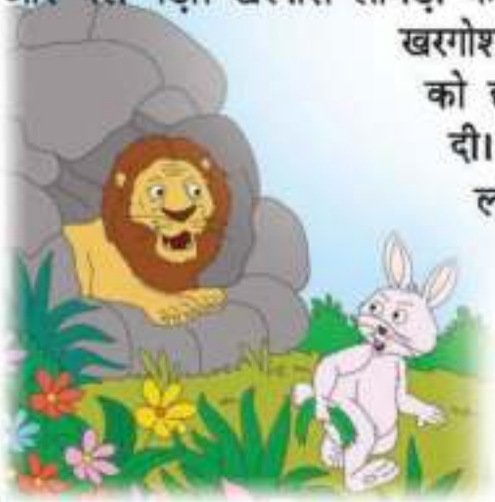

खरगोश ने लोमड़ी को उसके लाभ की बात बताई। लोमड़ी ने खरगोश को छोड़ दिया और अपने बच्चों के साथ उस गुफ़ा की ओर चल दी। दोनों शेर की गुफ़ा के पास आए। वहाँ शेर मरा हुआ पड़ा था। लोमड़ी खुशी से फूली नहीं समाई। उसके मुँह में पानी भर आया। वह शेर की ओर बढ़ी। उसके बच्चे भी उसके पीछे-पीछे चल दिए। लेकिन अचानक लोमड़ी रुक गई। उसे तुरंत याद आया, ज़्यादा खुशी में बुद्धि काम नहीं करती। वह सोचने लगी। उसने खरगोश को देखा। वह ऊँची आवाज़ में बोली, "खरगोश भैया, शेर महाराज कब मरे? इन्हें मरे हुए कितना समय हुआ है?"

खरगोश ने कहा, "लोमड़ी बहन, इन्हें मरे हुए कोई दो घंटे हो गए।" लोमड़ी तुरंत बोली, "फिर तो शेर महाराज को यहीं रहने दो। मैं चलती हूँ।" खरगोश ने अपने कान खड़े किए, "क्यों बहन? अब तो तुम यहीं रहो। यह गुफ़ा अब तुम्हारी है।"

लोमड़ी बोली, "शेर महाराज जब मरेंगे तभी तो यह गुफ़ा मेरी होगी।"

खरगोश को बड़ा आश्चर्य हुआ, "क्या! क्या अभी शेर महाराज नहीं मरे?"

खरगोश को समझाते हुए लोमड़ी बोली, "खरगोश भैया! इतना बलशाली जानवर जब मर जाता है तो तीन घंटे तक उसकी पूँछ हिलती रहती है, तुम भी भोलेपन की बातें करते हो।" इतना कहने के बाद लोमड़ी ध्यान से देखने लगी। जैसे ही उसकी नजर शेर की हिलती हुई पूँछ पर पड़ी वह ज़ोर से चिल्लाई "भागो" और अपने बच्चों को लेकर भाग गई। खरगोश भी वहाँ से छूमंतर हो गया।

कहानी का सारांश (Summary of the Story)

It narrates the tale of a fox and a lion living in the jungle. The lion grows old and weak, unable to hunt, while the fox, being clever, comes up with a plan to lure animals into the lion's den so the lion can catch and eat them. The story emphasizes the importance of wisdom and intelligence over brute strength.

शब्दार्थ (Word Meaning)

शक्ति	=	ताकत, हिम्मत (Strength)
गुफ़ा	=	शेर के रहने का स्थान (Cave)
विनती	=	प्रार्थना करना, याचना करना (Request)
लालच	=	बेईमानी, लोभ, लालसा (Greed)
अंतिम	=	आख़िरी (Last)

उच्चारण करें (Pronounce)

खरगोश बलशाली बुद्धि दयालुता आश्चर्य

शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को कहानी का सार बताएँ तथा उन्हें समझाएँ कि विपरीत परिस्थिति में भी धैर्य रखना आवश्यक होता है।

In the classroom, teachers should summarize the story for the children and explain the importance of maintaining patience even in adverse situations.

अभ्यास Exercise

ज़रा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

(क) शेर किस बात से परेशान था?

(ख) भूख के कारण शेर कितने दिनों से परेशान था?

(ग) अपनी अंतिम इच्छा पर शेर क्या चाहता था?

(घ) खरगोश कहाँ बैठकर घास खा रहा था?

ज़रा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Answer the given questions in writing.)

(क) जंगल में बैठकर शेर क्या सोच रहा था?

.....

(ख) खरगोश, शेर के नज़दीक क्यों नहीं जा रहा था?

.....

(ग) लोमड़ी को खरगोश ने क्या समझाया?

.....

(घ) शेर को मरने का नाटक क्यों करना पड़ा?

.....

(ङ) लोमड़ी, शेर को देखकर क्या बोली?

.....

3. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए। (Tick the correct option (✓).

(क) शेर कौन-सी बीमारी से परेशान था?

☐ पीलिया ☐ लकवा ☐ बुखार ☐ इनमें से कोई नहीं

(ख) अपने नज़दीक शेर ने किसको बुलाया?

☐ लोमड़ी ☐ भालू ☐ खरगोश ☐ चीता

(ग) खरगोश को शेर ने किसे बुलाने को कहा?

☐ भालू ☐ हाथी ☐ लोमड़ी ☐ घोड़ा

4. दिए गए सही कथन पर (✓) अथवा गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाइए।
(Mark the given statements as true (✓) or false (✗).)

(क) शेर ने खरगोश को मारने की कोशिश की। ☐

(ख) शेर लोमड़ी को अपनी गुफ़ा दान में देना चाहता था। ☐

(ग) पीलिया के कारण शेर शिकार नहीं कर पा रहा था। ☐

(घ) लोमड़ी की बातें सुनकर शेर पूँछ हिलाने लगा। ☐

5. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।
(Fill in the blanks with the given words.)

निश्चय पहाड़ी विश्वास शक्ति महाराज

(क) शेर के शरीर की ..... खत्म होती जा रही थी।

(ख) मैं माँस खाने वालों पर ..... नहीं करता।

(ग) तुम उस ..... के पीछे चले जाओ।

(घ) खरगोश ने ..... किया कि वह शेर की अंतिम इच्छा पूरी करेगा।

(ङ) फिर तो शेर ..... को यहीं रहने दो। मैं चलती हूँ।

जरा सोचिए (Critical Thinking)

6. "प्रस्तुत अध्याय के आधार पर हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि ज्यादा चतुराई भी इनसान को अकेला बना देती है।" इस कथन से आप क्या समझते हैं? सोच-समझकर बताइए।
(Based on the presented chapter, we conclude that too much cleverness can make a person lonely." What do you understand by this statement? Think and explain.)

जरा भाषा पर गौर कीजिए (Language Skills)

7. दिए गए वाक्यों में संज्ञा शब्दों की पहचान करके लिखिए।
(Identify and write the nouns from the given sentences.)

(क) खरगोश बहुत डरा हुआ था। .....

(ख) लोमड़ी एक चालाक जानवर है। .....

(ग) शेर का बुढ़ापा आ गया था। .....

(घ) लोमड़ी के दो-तीन बच्चे थे। .....

(ङ) खरगोश की बातों पर लोमड़ी को भरोसा हो गया था। .....

8. दिए गए शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए।
(Write the antonyms for the given words.)

(क) विश्वास - ..... (ख) दयालु - .....

(ग) लाभ - ..... (घ) भय - .....

9. दिए गए उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए।
(Form two words using each of the given prefixes.)

(क) अव - ....

(ख) अति - ....

(ग) ई - ....

(घ) अन् - ....

(ङ) सु - ....

10. दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए। (Write one word for the given phrases.)

(क) जो सबका प्रिय हो - .....

(ख) जो दूर की सोचे - .....

(ग) जिसकी बुद्धि तेज हो - .....

(घ) जिसके मन में कपट न हो - .....

(ङ) जिसके पास धन न हो - .....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)

11. प्रस्तुत पाठ के आधार पर यदि लोमड़ी की जगह आप होते तो खरगोश से क्या संवाद करते? अपने शब्दों में अभिव्यक्त कीजिए।
(Based on the presented text, if you were in place of the fox, what dialogue would you have with the rabbit? Express it in your own words.)

ज़रा दिमाग लगाइए (Brain Storming Activity)

12. बुद्धि का प्रयोग कर मनुष्य हर विपत्ति का समाधान कैसे कर लेता है? अपने विचारों में अभिव्यक्त कीजिए।
(How does a person solve every adversity by using intelligence? Express your thoughts.)

अध्याय 4

प्रिटोरिया जेल से

(पत्र)

अध्ययन से पूर्व (Before Study)

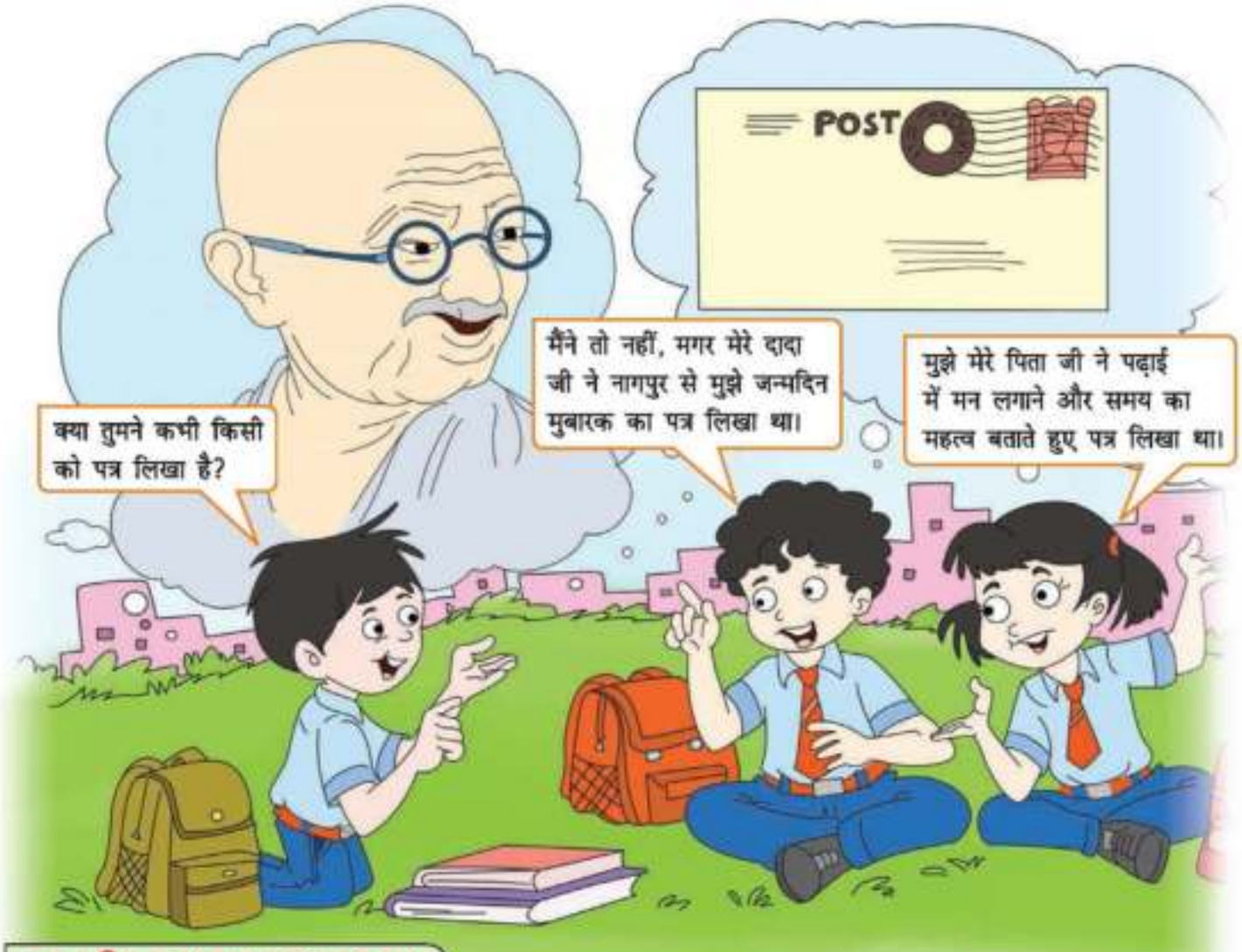

पत्र परिचय (Letter Preview)

बच्चों को समय एवं जीवन के मूल्य भाव से परिचित करवाना।

कठिन शब्द (Difficult Words)

निर्द्वद्व   प्रसन्नता   व्याधि   संकल्प   सेवा   उदारता

प्रिटोरिया जेल

25 मार्च, 1909

प्रिय पुत्र,

मुझे प्रति माह एक पत्र लिखने एवं एक पत्र प्राप्त करने का अधिकार मिला है। अब मैं पत्र किसे लिखूँ? मुझे बारी-बारी से मिस्टर रीच, मिस्टर पॉल और तुम्हारा ख़याल आया, लेकिन मैंने तुम्हें ही लिखना पसंद किया क्योंकि पढ़ने के समय मुझे तुम्हारा ही ध्यान बराबर रहता है।

मेरे बारे में तुम ज़रा भी चिंता मत करना। विशेष कुछ कहने का अधिकार मुझे नहीं है। मैं पूर्ण रूप से शांति से हूँ। आशा है कि 'बा' अच्छी हो गई होंगी। मुझे ज्ञात है कि तुम्हारे कुछ पत्र यहाँ आए हैं, लेकिन वे मुझे नहीं दिए गए। फिर भी डिप्टी गवर्नर की उदारता से मुझे मालूम हुआ कि 'बा' का स्वास्थ्य सुधर रहा है। क्या वे चलने-फिरने लगीं? 'बा' और तुम लोग सवेरे दूध के साथ साबूदाना बराबर ले रहे होंगे और अब कुछ तुम्हारे विषय में कहना चाहूँगा। तुम कैसे हो? तुम पर मैंने जो जिम्मेदारी डाली है, तुम उसके सर्वथा योग्य हो और आनंद से उसे निभा रहे होंगे, मुझे ऐसी आशा है।

मैं यह जानता हूँ कि तुम्हें अपनी शिक्षा के प्रति असंतोष है। यहाँ जेल में मैंने खूब पढ़ा है। इससे मैं समझा हूँ कि केवल अक्षर-ज्ञान ही शिक्षा नहीं है। सच्ची शिक्षा तो चरित्र-निर्माण और कर्तव्य का ज्ञान है।

यदि यह दृष्टिकोण सही है तो मेरे विचार से तो यह बिल्कुल ठीक है कि तुम सच्ची शिक्षा प्राप्त कर रहे हो। आजकल तुम्हें अपनी बीमार माँ की सेवा का अवसर मिला है। रामदास और देवदास को भी तुम सँभाल रहे हो, यदि तुम यह काम अच्छी तरह और आनंद से

करते हो तो तुम्हारी आधी शिक्षा इसी के द्वारा पूरी हो जाती है। उपनिषदों की एक टीका में लिखा है कि प्रथम अर्थात् ब्रह्मचर्य-आश्रम, संन्यास-आश्रम के समान है। इसका मुझ पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

आमोद-प्रमोद एक निश्चित आयु तक ही शोभा देते हैं। बारह वर्ष की उम्र के बाद बच्चों को जिम्मेदारी और कर्तव्य का ज्ञान होना चाहिए। उन्हें अपने आचार और विचार में सत्य और अहिंसा के प्रयोग की चेष्टा करनी चाहिए और वे इसे भार समझकर नहीं करें, बल्कि एक आनंद का अनुभव करते हुए करें। यह आनंद कृत्रिम भी नहीं होना चाहिए। यह सरल और स्वाभाविक होना चाहिए।

मैं जब तुमसे काफी छोटा था तो मुझे स्वयं अपने पिता जी की सेवा करने में बहुत आनंद मिलता था। बारह वर्ष की आयु के बाद आमोद-प्रमोद का बहुत ही कम, बल्कि नहीं के समान ही अवसर मुझे मिला है।

संसार में तीन बातें बड़ी महत्वपूर्ण हैं। इनको प्राप्त कर तुम संसार के किसी भी कोने में जाओगे तो अपना निर्वाह कर सकोगे। ये तीन बातें हैं- अपनी आत्मा का, अपने आप का और ईश्वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करना। इसका मतलब यह नहीं कि तुम्हें अक्षर-ज्ञान नहीं मिलेगा। वह तो मिलेगा ही, लेकिन तुम उसी की चिंता करो, यह मैं नहीं चाहता। इसके लिए तुम्हारे पास अभी बहुत अधिक समय है। अक्षर-ज्ञान तो इसलिए होता है कि जो कुछ तुम्हें मिला है, उसे तुम दूसरों को दे सको।

इतना और याद रखना कि अब से हमें गरीबी में रहना है। जितना अधिक मैं विचार करता हूँ, उतना ही अधिक मुझे लगता है कि गरीबी में ही सुख है। अमीरी की तुलना में गरीबी अधिक सुखद है। खेत में घास और गड्ढ़े खोदने में पूरा समय देना। भविष्य में हमें अपना जीवन-निर्वाह इसी से करना है। मेरी इच्छा है कि अपने परिवार में तुम एक योग्य किसान बनो। सभी औज़ारों को सदा साफ़ और सुव्यवस्थित भी रखना।

अक्षर-ज्ञान में गणित और संस्कृत पर पूरा ध्यान देना। भविष्य में संस्कृत तुम्हारे लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। ये दोनों विषय बड़ी उम्र में सीखना कठिन है। संगीत में भी रुचि बराबर रखना।

हिंदी, गुजराती और अंग्रेज़ी के चुने हुए भजनों एवं कविताओं का एक संग्रह तैयार करना चाहिए। वर्ष के अंत में तुम्हें अपना यह संग्रह मूल्यवान प्रतीत होगा। काम की अधिकता से मनुष्य को घबराना नहीं चाहिए और न यह सोचना चाहिए कि यह कैसे होगा और पहले क्या करूँ? शांत चित्त से विचारपूर्वक तुमने यदि सभी सद्गुणों को प्राप्त करने की चेष्टा की तो वे तुम्हारे लिए बहुत उपयोगी और मूल्यवान प्रमाणित होंगे। तुमसे मुझे यह भी आशा है कि घर के लिए जो भी तुम खर्च करते हो, उसका पैसे-पैसे का हिसाब रखते हो।

मुझे यह भी आशा है कि तुम प्रतिदिन शाम को नियमपूर्वक प्रार्थना करते होंगे और रविवार को

श्री वेस्ट के यहाँ भी प्रार्थना में जाते होंगे। सूर्योदय से पहले उठकर प्रार्थना करना बहुत ही अच्छा है। प्रयत्नपूर्वक एक निश्चित समय पर ही प्रार्थना करनी चाहिए। यह नियमितता तुम्हें अपने जीवन में आगे चलकर बड़ी सहायक सिद्ध होगी।

इस पत्र को पढ़कर, अच्छी तरह समझ लेने के बाद मुझे जवाब देना। जवाब जितना लंबा चाहो, उतना लिख सकते हो। अंत में, मैं प्रेम सहित यह पत्र समाप्त करता हूँ।

तुम्हारा पिता
मोहनदास करमचंद गांधी

पत्र का सारांश (Summary of the Letter)

In the letter, dated March 25, 1909, Gandhi advises his son on the importance of education, character building, and moral values. He emphasizes the need to serve others selflessly and to lead a disciplined life. The letter reflects Gandhi's deep concern for his son's well-being and his hopes for his son's future.

शब्दार्थ (Word Meaning)

माह	=	महीना (Month)
आमोद-प्रमोद	=	खेल-कूद करना, मौज मस्ती (Recreation)
आशा	=	उम्मीद (Hope)
कृत्रिम	=	नकली (Artificial)
प्रयास	=	कोशिश (Effort)
सद्गुण	=	अच्छे गुण (Good conduct)
जीवन-निर्वाह	=	जीवन जीना (Livelihood)
नियमितता	=	लगातार (Continuous)
योग्य	=	काबिल (Month)
चित्त	=	मन (Mind)

उच्चारण करें (Pronounce)

प्रयत्न प्रिटोरिया सूर्योदय सर्वथा गर्वनर मूल्यवान

शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को गांधी जी द्वारा जेल से लिखे जाने वाले अन्य पत्रों (जैसे- बैतूल जेल से लिखा पत्र) का भी संज्ञान दें।
Teachers should acquaint children with other letters written by Gandhi Ji from jail (such as the letter from Betul jail).

अभ्यास Exercise

जरा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

(क) गांधी जी ने कौन-सी जेल से पत्र लिखा?

(ख) गांधी जी ने किसको पत्र लिखा?

(ग) गांधी जी ने अपने पत्र में किसके स्वास्थ्य की बात पूछी?

जरा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Answer the given questions in writing.)

(क) गांधी जी को पत्र लिखते समय किन-किन व्यक्तियों का ख़याल आया?

.....

(ख) गांधी जी ने अपने पुत्र को पत्र लिखकर किस विषय के संबंध में सलाह दी?

.....

(ग) 'अमीरी की तुलना में गरीबी सुखद है' इस कथन से गांधी जी का क्या आशय था?

.....

3. दिए गए वाक्यों में सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाइए। (Mark the given sentences as true (✓) or false (✗).)

(क) अक्षर ज्ञान संपूर्ण ज्ञान नहीं है। ☐

(ख) गांधी जी ने प्रस्तुत पत्र जेलर को लिखा। ☐

(ग) आमोद-प्रमोद एक निश्चित आयु तक ही शोभा देते हैं। ☐

(घ) गांधी जी को जेल में अनेकों पत्र लिखने और प्राप्त पत्र को पढ़ने का अधिकार था। ☐

4. किसने कहा, किससे कहा? लिखिए। (Who said it, and to whom? Write it down.)

(क) बारह वर्ष की उम्र के बाद बच्चों को अपने आचार और विचार में सत्य और अहिंसा का प्रयोग करना चाहिए।

.....

(ख) भविष्य में संस्कृत तुम्हारे लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

.....

जरा सोचिए (Critical Thinking)

5. गांधी जी ने अक्षर ज्ञान को संपूर्ण शिक्षा न कहकर, चरित्र व कर्तव्य ज्ञान को सच्ची एवं संपूर्ण शिक्षा क्यों कहा है? कक्षा में विचार-विमर्श करते हुए लिखिए।
(Why did Gandhi Ji say that literacy is not complete education but knowledge of character and duty is true and complete education? Discuss in the classroom and write.)

जरा भाषा पर गौर कीजिए (Language Skills)

6. दिए गए शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए। (Write the given words in their correct form.)

(क) नीव्राह – ..... (ख) न्यिमीत्ता – .....

(ग) मुलय्वान – ..... (घ) संगृह – .....

7. दिए गए शब्दों का वाक्य प्रयोग कीजिए। (Use the given words in sentences.)

(क) अहिंसा – .....

(ख) कर्तव्य – .....

(ग) स्वास्थ्य – .....

जरा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)

8. आपके अनुसार सच्ची शिक्षा क्या है? अपने शब्दों में लिखिए।
(According to you, what is true education? Write in your own words.)

9. हमें गांधी जी के किन वचनों का अनुसरण करना चाहिए? कक्षा में चर्चा कर लिखिए।
(Which of Gandhi Ji's words should we follow? Discuss in the classroom and write.)

जरा दिमाग लगाइए (Brain Storming Activity)

10. महात्मा गांधी जी द्वारा कौन-कौन से आंदोलन चलाए गए व आंदोलन के मुद्दे किस से संबंधित थे? बताइए।
(Which movements were led by Mahatma Gandhi, and what were the issues related to these movements? Explain.)

For Full PDF

Click The Link Below